17–18 दिसंबर, 2019 को हैदराबाद में उड़न राख के प्रयोग पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

17–18 दिसंबर, 2019 तक सेंटर फॉर फ्लाई ऐश रिसर्च एंड मैनेजमेंट (सी–एफएआरएम), केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी), भारत सरकार और दि सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के सहयोग से पी.जे. तेलंगाना स्टेट एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (पीजेटीएसएयू), हैदराबाद में कृषि, वानिकी और अन्य अनुप्रयोगों में फ्लाई ऐश के उपयोग पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।

निर्माण उद्योग में उभरती फ्लाई ऐश प्रौद्योगिकियों, जैसे कि टिकाऊ उच्च प्रदर्शन कंक्रीट के लिए फ्लाई ऐश का उपयोग, सीमेंट के अत्यधिक प्रतिस्थापन के लिए सिलिकायुक्त फ्लाई ऐश का चूना सक्रियण, खतरनाक अपशिष्टों आदि के उपचार के लिए उड़न राख आधारित जियो पोलीमर्स के अनुकूलन विषय पर आयोजित इस सम्मेलन के दौरान फ्लाई ऐश के उपयोग से पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ निर्माण सामग्री पर ध्यान केन्द्रित किया गया था।

इस 2–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में पूरे देश के सहभागियों ने भाग लिया था और कई विषयों पर विचार–विमर्श हुआ था। इससे शोधकर्ताओं और छात्रों को कैरियर की शुरुआत में कार्यरत कार्यकारियों और वैज्ञानिकों / नीति निर्माताओं से लेकर क्षेत्र के वरिष्ठतम विशेषज्ञों के साथ अपने अनुभवों को शेयर करने और उन्हें उनके वैज्ञानिक और तकनीकी कार्यों के बारे उत्तर जानने और उड़न राख के व्यवसाय को बढ़ाने के लिए विचार करने के लिए एक मंच उपलब्ध हुआ। सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत किए गए तकनीकी आलेखों और मामला अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि फ्लाई ऐश के प्रत्येक प्रकार के उपयोग से प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है, पर्यावरण की सुरक्षा होती है, रोजगार सृजन और राष्ट्रीय जीडीपी में योगदान देने वाली व्यावसायिक गतिविधि में वृद्धि होती है।